

15-05-2020

कोरोना के बाद बदलेगी लाइफ स्टाइल

कानपुर। कोरोना संक्रमण के बाद लोगों को अपनी लाइफ स्टाइल में बदलाव लाना होगा। यहीं नहीं इंडस्ट्री को भी पैकेजिंग पर विशेष ध्यान देना होगा। कोरोना से बचाव को पूरी सप्लाई चेन को सुरक्षित रखना होगा। ये बातें बोले राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने क्राइस्ट चर्च कॉलेज की ओर से आयोजित वेबिनार में कहीं।

इस दौरान कोरोना और लॉकडाउन के कारण होने वाले बदलावों के बारे में चर्चा की गई। उन्होंने छोटी पैकेजिंग पर जोर दिया। क्राइस्टचर्च कॉलेज की डॉ. मीतकमल द्विवेदी और शुगर टेक्नोलॉजी एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय अवस्थी ने भी विचार रखे।

कोविड-19 : जीवन शैली में बदलाव के लिए तैयारी जरूरी

कानपुर (एसएनबी)। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में गुरुवार को 'डोमेस्टिक एंड इंडस्ट्रियल सेनेटाइजेशन एमिडस्ट पेंडेमिक' विषय पर आयोजित वेबिनार में कोविड-19 के कारण भविष्य में जीवन शैली में बदलाव के लिए तैयार रहने को जरूरी बताया गया।

वेबिनार में मुख्य वक्ता द शुगर टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया नई दिल्ली के अध्यक्ष संजय अवस्थी के अलावा क्राइस्टचर्च कॉलेज कानपुर के डॉ. अमित कमल द्विवेदी व डॉ. आरके द्विवेदी के साथ ही संस्थान निदेशक प्रोफेसर

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में हुआ वेबिनार

नरेंद्र मोहन तथा प्रोफेसर स्वेन ने अपने विचार रखे। मुख्य वक्ता संजय अवस्थी ने घरेलू तथा औद्योगिक

क्षेत्रों में सावधानी के लिए मानक संचालन प्रक्रिया बनाने पर जोर दिया। प्रोफेसर स्वेन इस संदर्भ में रोड मैप प्रस्तुत किया। साथ ही चीनी मिलों द्वारा छोटे पैकेजिंग में सेनेटाइजेशन के उपरांत ही बिक्री की व्यवस्था बनाए जाने के बात कही। संस्थान निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने कहा कि कोविड-19 संकट के कारण हमें जीवनशैली में परिवर्तन के लिए तैयार रहना चाहिए।

बीमारी से बचाव को सप्लाई चेन की सुरक्षा जरूरी

कानपुर। कोरोना से बचाव के लिए सिर्फ घर या इंडस्ट्री नहीं बल्कि पूरी सप्लाई चेन को सुरक्षित रखना होगा। तभी कोरोना संक्रमण को रोका जा सकता है। यह बात राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने कही। उन्होंने कहा कि लोगों को अपनी लाइफ स्टाइल और वर्किंग स्टाइल में बदलाव लाना होगा। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान और क्राइस्टचर्च कॉलेज की ओर से गुरुवार को राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। इसमें कोरोना और लॉकडाउन के कारण होने वाले बदलाव के बारे में चर्चा की गई। इस दौरान शुगर टेक्नोलॉजी एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय अवस्थी ने भी विस्तार से जानकारी दी।